भ्रूण एनीमिया (Fetal Anemia)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करने के लिए है कि भ्रूण एनीमिया क्या है, यह क्यों होता है, और आपके लिए उपलब्ध संभावित उपचार क्या हैं।

भ्रूण एनीमिया क्या है?
भ्रूण एनीमिया तब होता है जब भ्रूण के रक्त में लाल रक्त सेलस असामान्य रूप से कम होती हैं।

भ्रूण एनीमिया क्यों होता है?
भ्रूण एनीमिया विकसित होने के कई कारण हैं, लेकिन कारणों को मुख्य रूप से दो भाग में विभाजित किया जाता है, एलोइम्यूनाइजेशन (एंटीबॉडी) और गैर-प्रतिरक्षा एनीमिया के कारण एनीमिया। एलोइम्यूनाइजेशन तब होता है जब माँ भ्रूण के रक्त के खिलाफ एंटीबॉडी बनाती है। गैर-प्रतिरक्षा एनीमिया संक्रमण, जुड़वाँ बच्चों के बीच आधान, हृदय की समस्याओं या अन्य कारणों से हो सकता है।

भ्रूण एनीमिया का निदान कैसे किया जाता है?
भ्रूण एनीमिया का संदेह अल्ट्रासाउंड तकनीक का उपयोग करके किया जा सकता है जिसे डॉपलर कहा जाता है, जो भ्रूण में कई वाहिकाओं में रक्त प्रवाह का मूल्यांकन करता है। जब बच्चे किसी भी कारण से एनीमिया से पीड़ित होते हैं, तो रक्त पतला और अधिक पतला होता है और इसलिए शरीर के चारों ओर अधिक गति से यात्रा कर सकता है। गति। भ्रूण के मस्तिष्क में एक प्रमुख वाहिका में पाया जाने वाला रक्त प्रवाह का अधिकतम वेग (PSV), जिसे िमडडल सेरेबरल आरटरी (MCA) कहा जाता है, कुछ मामलों में सामान्य से अधिक दिखाई दे सकता है, और हमें संदेह होने का कारण बनता है कि भ्रूण में एनीमिया है। हालाँकि, एनीमिया के निदान की पुष्टि तब होती है जब अजन्मे भ्रूण की गर्भनाल से सीधे रक्त का नमूना लिया जाता है, जिसे कॉर्डोसेंटेसिस कहा जाता है।

क्या मुझे अपने डॉक्टर से अपने सभी स्कैन में भ्रूण के एनीमिया की जाँच करने के लिए कहना चाहिए?
एलोइम्यूनाइजेशन के उच्च जोखिम वाली महिलाओं में आमतौर पर एनीमिया का संदेह होता है, ऐसा तब होता है जब माँ के रक्त का आरएच कारक भ्रूण और पिता के रक्त से अलग होता है। सभी गर्भधारण में, एंटीबॉडी की जाँच के लिए माँ के रक्त में एक नियमित स्क्रीनिंग टेस्ट किया जाता है जो प्लेसेंटा से होकर गुज़र सकता है और भ्रूण की रक्त कोशिकाओं को नष्ट कर सकता है। सकारात्मक एंटीबॉडी परीक्षण वाली महिलाओं को उच्च जोखिम में माना जाता है और भ्रूण के एनीमिया की जाँच के लिए नियमित डॉपलर किया जाता है। इसके अलावा, कुछ स्थितियों जैसे कि मातृ-भ्रूण संक्रमण जैसे कि पार्वोवायरस बी19, एक ही प्लेसेंटा साझा करने वाले जुड़वाँ बच्चे, या प्लेसेंटल ट्यूमर (कोरियोएंजियोमास), को भी भ्रूण के एनीमिया के लिए जांचने की आवश्यकता होती है। किसी भी कारण से गंभीर भ्रूण एनीमिया बच्चे में दिल की विफलता का कारण बन सकता है और यदि अल्ट्रासाउंड दिल की विफलता के लक्षण का पता लगाता है, तो दिल की विफलता के कारण के रूप में भ्रूण एनीमिया के अप्रत्यक्ष सबूत की तलाश के लिए एमसीए डॉपलर किया जाएगा।,

मेरे भ्रूण में भ्रूण के एनीमिया की पुष्टि होने के बाद क्या होता है?
यदि डॉपलर अध्ययन में भ्रूण के एनीमिया का अत्यधिक संदेह है, तो आपका डॉक्टर एक पुष्टिकरण प्रत्यक्ष परीक्षण (कॉर्डोसेंटेसिस) का प्रस्ताव देगा। यदि भ्रूण के एनीमिया के निदान हो जाती है और इसे मध्यम या गंभीर के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो अगला कदम भ्रून को रकत देना है(इनटराय्टराइन फीटल टरानसफ्युयजन)। इस प्रक्रिया में बच्चे की लाल रक्त सेलस को बदलने के लिए अल्ट्रासाउंड द्वारा भ्रूण के अमबिलिकल वेन में ओ-नेगेटिव रक्त का संचार होता है। एनीमिया के प्रकार और कारण के आधार पर, भ्रूण के जीवन को सुरक्षित रखने के लिए गर्भावस्था के दौरान कई बार रकत देने की जरुरत हो सकती है।

क्या यह फिर से होगा**?**
एलोइम्यूनाइजेशन के कारण भ्रूण में होने वाले एनीमिया के लिए, आगे की गर्भावस्थाओं में इसके फिर से होने की बहुत संभावना है और गर्भावस्था के दौरान भ्रूण का डॉपलर अल्ट्रासाउंड के साथ बहुत सावधानी से पालन किया जाना चाहिए। गैर-प्रतिरक्षा भ्रूण एनीमिया के लिए, इसके फिर से होने की बहुत संभावना नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह से भ्रूण के एनीमिया के कारण पर निर्भर करता है।

मुझे और क्या सवाल पूछने चाहिए?

- क्या मुझे एलोइम्यूनाइजेशन प्रोहिलैक्सिस प्राप्त करना चाहिए?
- क्या मेरे भ्रूण को गंभीर एनीमिया होने का उच्च जोखिम है?
- डॉपलर मूल्यांकन के लिए मेरी अगली यात्रा कब होगी?
- क्या डॉपलर का माप गर्भावधि उम्र के लिए पर्याप्त है?
- क्या मेरे भ्रूण के लिए आधान के अलावा अन्य उपचार विकल्प हैं?

Last updated 2024